# रांची में JPSC-JSSC छात्रों पर लाठीचार्ज, उग्र हुआ आंदोलन

**विषय सूची (Table of Contents):**


>> 1. रांची में विधानसभा मार्च  जेपीएससी और जेएसएससी छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज...

>> घटनाक्रम का विवरण और प्रदर्शन का मुख्य कारण...

>> हाथों में तिरंगा और तख्तियां लेकर सड़क पर उतरे अभ्यर्थी...

>> 2. परीक्षा में धांधली का विरोध  17वें दिन उग्र हुआ छात्रों का शांतिपूर्ण आंदोलन...

>> 17 दिनों का लंबा संघर्ष और असफल वार्ता...

>> जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच का आयोजन...

>> 3. छावनी में तब्दील विधानसभा  धारा 163 लागू, बैरिकेड्स टूटने पर वॉटर कैनन का प्र...

>> जगन्नाथपुर मंदिर के पास रेज़र फेंसिंग और कड़ी सुरक्षा...

>> वॉटर कैनन और लाठीचार्ज पर रांची एसपी (ग्रामीण) का बयान...

>> 4. विधायक जयराम महतो का कड़ा रुख   छात्रों के मुद्दे सड़क से सदन तक गूंजेंगे ...

>> पुलिस प्रशासन को संदेश और शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील...

>> विधानसभा सत्र के दौरान सदन में आवाज उठाने की रणनीति...

>> 5. एंबुलेंस से मार्च में शामिल हुए देवेंद्र नाथ महतो  9 दिन से जारी है भूख हड़ता...

>> 10.5 किग्रा वजन घटा, फिर भी आंदोलन में डटे...

>> पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के चित्र के साथ सत्याग्रह...

>> 6. सरकार और छात्रों के बीच गतिरोध  98  मांगों पर सहमति के दावों की क्या है सच्चा...

>> 13 में से केवल 3 परीक्षाएं रद्द करने पर सहमति...

>> 7. भर्ती घोटाले में बड़ा एक्शन  सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष को किया गिरफ...

>> एल. खियांगते की गिरफ्तारी और सीआईडी की जांच...

>> पूर्व मुख्य सचिव का विवादित कार्यकाल...

>> निष्कर्ष...

>>  आपके सवाल, हमारे जवाब...


झारखंड की राजधानी रांची में राज्य लोक सेवा आयोग (JPSC) और कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और धांधली के खिलाफ छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है। सोमवार (10 अगस्त) को अपने आंदोलन के 17वें दिन हजारों की संख्या में अभ्यर्थी रांची की सड़कों पर उतरे और विधानसभा की ओर मार्च किया।

स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास कर रहे प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस ने पानी की बौछार (वॉटर कैनन) की और तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। इस घटना के बाद राजधानी रांची में राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज हो गई है। अगर आप भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और नई भर्तियों का अपडेट चाहते हैं, तोचाहिए सरकारी नौकरी? 4000  पदों पर बंपर भर्ती, अभी करें अप्लाईपर क्लिक कर नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

## 1. रांची में विधानसभा मार्च: जेपीएससी और जेएसएससी छात्रों पर

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में धांधली और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर अभ्यर्थियों का सब्र अब जवाब दे चुका है। सोमवार को रांची की सड़कों पर उतरी छात्रों की भीड़ ने राज्य सरकार और परीक्षा एजेंसियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

## घटनाक्रम का विवरण और प्रदर्शन का मुख्य कारण

छात्रों का यह विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों के विरोध में था। अभ्यर्थी लंबे समय से इन परीक्षाओं को रद्द करने और नए सिरे से पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने की मांग कर रहे हैं।

>> मांग:प्रभावित 13 भर्ती परीक्षाओं को पूरी तरह से रद्द करना और निष्पक्ष जांच कराना।

>> मुख्य आयोग:JPSC और JSSC की परीक्षाओं में उत्तर कुंजी, पेपर लीक और अंकन प्रणाली में गड़बड़ी का आरोप।

>> आंदोलन की अवधि:पिछले 17 दिनों से लगातार जारी विरोध प्रदर्शन।

## हाथों में तिरंगा और तख्तियां लेकर सड़क पर उतरे अभ्यर्थी

मार्च के दौरान हजारों छात्र हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और अपनी मांगों से संबंधित तख्तियां लिए हुए शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रहे थे। छात्रों का कहना था कि वे अपने सुनहरे भविष्य और करियर की सुरक्षा के लिए संवैधानिक दायरे में रहकर अपनी बात रख रहे हैं।

## 2. परीक्षा में धांधली का विरोध: 17वें दिन उग्र हुआ छात्रों क

झारखंड के प्रतियोगी छात्रों का आंदोलन 17वें दिन में प्रवेश कर चुका है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र संगठनों का कहना है कि सरकार के अड़ियल रवैये के कारण उन्हें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

## 17 दिनों का लंबा संघर्ष और असफल वार्ता

रविवार (9 अगस्त) को झारखंड सरकार के प्रतिनिधियों और छात्र प्रतिनिधियों के बीच छठे दौर की बातचीत आयोजित की गई थी। हालांकि,यह वार्ता भी पूरी तरह से बेनतीजा रही, जिसके बाद अभ्यर्थियों ने सोमवार को विधानसभा घेराव का फैसला किया।

## जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच का आयोजन

आंदोलन का नेतृत्व JPSC-JSSC रिफॉर्म्स मंच द्वारा किया जा रहा है। मंच के संयोजकों ने स्पष्ट किया कि उन्होंने इस विशाल मार्च में असामाजिक तत्वों के प्रवेश को रोकने के लिए लगभग 500 अनुशासित वालंटियर्स को तैनात किया था ताकि विरोध पूरी तरह से शांतिपूर्ण बना रहे।

कानून-व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई से जुड़ी अन्य खबरों के लिए आप किराना दुकान में टॉफी के साथ बिक रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा! भी पढ़ सकते हैं।

## 3. छावनी में तब्दील विधानसभा: धारा 163 लागू, बैरिकेड्स टूटने

छात्रों के विधानसभा मार्च की पूर्व सूचना के आधार पर रांची जिला प्रशासन ने विधानसभा क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया था। भारी संख्या में पुलिस बल, रैपिड एक्शन फोर्स और वॉटर कैनन की गाड़ियां तैनात की गई थीं।

## जगन्नाथपुर मंदिर के पास रेज़र फेंसिंग और कड़ी सुरक्षा

प्रशासन ने नए विधानसभा परिसर जाने वाले मार्ग पर जगन्नाथपुर मंदिर के समीप कटीले तारों (रेज़र फेंसिंग) और बहुस्तरीय बैरिकेडिंग का इंतजाम किया था। इसके अलावा विधानसभा के 750 मीटर के दायरे में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 163 (निषेधाज्ञा) लागू कर दी गई थी।

## वॉटर कैनन और लाठीचार्ज पर रांची एसपी (ग्रामीण) का बयान

जब छात्र नारेबाजी करते हुए अंतिम बैरिकेड्स तक पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए तेज पानी की बौछारें (वॉटर कैनन) छोड़ीं। बैरिकेड्स टूटने की स्थिति में पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए लाठीचार्ज किया।

>> एसपी (ग्रामीण) गौरव गोस्वामी का बयान: जब कुछ छात्रों ने धारा 163 लागू होने वाले क्षेत्र में अंतिम बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश की, तो बेहद सीमित और हल्का लाठीचार्ज किया गया।

>> पुलिस का दावा: हम छात्रों के साथ लगातार संवाद बनाए हुए हैं और स्थिति को शांतिपूर्ण बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

## 4. विधायक जयराम महतो का कड़ा रुख: छात्रों के मुद्दे सड़क से

छात्र आंदोलन के समर्थन में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) के विधायक जयराम कुमार महतो भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की और छात्रों के प्रति एकजुटता जताई।

## पुलिस प्रशासन को संदेश और शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील

डुमरी से विधायक जयराम महतो ने पुलिस अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि झारखंड के छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपना अधिकार मांग रहे हैं, इसलिए पुलिस को उनके साथ सहयोग करना चाहिए न कि उन पर बल प्रयोग करना चाहिए।

## विधानसभा सत्र के दौरान सदन में आवाज उठाने की रणनीति

जयराम महतो ने समाचार एजेंसी PTI से बात करते हुए कहा:

यह पूरी तरह से एक शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन है। अगर सड़कों पर उठाए गए मुद्दे राज्य की विधानसभा तक नहीं पहुंचेंगे, तो उन पर ठोस कार्रवाई कैसे होगी? वर्तमान में विधानसभा का सत्र चल रहा है, और मैं जनप्रतिनिधि होने के नाते छात्रों की इन जायज मांगों को सदन के पटल पर पुरजोर तरीके से उठाऊंगा।

## 5. एंबुलेंस से मार्च में शामिल हुए देवेंद्र नाथ महतो: 9 दिन

छात्रों के इस ऐतिहासिक आंदोलन का सबसे भावुक और गंभीर पहलू जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो का जज्बा रहा। वे पिछले 9 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं।

## 10.5 किग्रा वजन घटा, फिर भी आंदोलन में डटे

लगातार अनशन के कारण देवेंद्र नाथ महतो का स्वास्थ्य बेहद चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है और उनका वजन लगभग 10.5 किलोग्राम तक घट चुका है। वे एंबुलेंस में सवार होकर विधानसभा मार्च में हिस्सा लेने पहुंचे।

## पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के चित्र के साथ सत्याग्रह

मार्च के दौरान देवेंद्र नाथ महतो के हाथों में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का चित्र देखा गया। उन्होंने भावुक होकर कहा:

हम अपने करियर और सपनों को बचाने के लिए संवैधानिक रास्ते पर संघर्ष कर रहे हैं। हमारा स्वास्थ्य गिर रहा है, लेकिन हम लाखों युवाओं के भविष्य से समझौता नहीं कर सकते। हम शांति बनाए रखने की अपील करते हैं।

## 6. सरकार और छात्रों के बीच गतिरोध: 98% मांगों पर सहमति के दा

झारखंड सरकार और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच जारी इस गतिरोध में दोनों पक्षों के दावों में भारी विरोधाभास देखने को मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मामलों और वैश्विक राजनीति में रुचि रखने वाले पाठक पुतिन की कहानी: एक जासूस जो 2036 तक करेगा राज! जैसी विशेष रिपोर्ट भी पढ़ सकते हैं।

## 13 में से केवल 3 परीक्षाएं रद्द करने पर सहमति

सरकार के प्रतिनिधियों का दावा है कि उन्होंने छात्रों की 98 प्रतिशत मांगों को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, JPSC-JSSC रिफॉर्म्स मंच ने इस दावे को खारिज कर दिया है।

>> सरकार का दावा:98% मांगें मानी गईं, गतिरोध समाप्त होना चाहिए।

>> छात्रों का पक्ष:जिन 13 परीक्षाओं में व्यापक पैमाने पर धांधली हुई है, उनमें से सरकार केवल 3 परीक्षाओं को रद्द करने पर सहमत हुई है।

>> अड़चन:जब तक सभी विवादित परीक्षाओं का निरस्तीकरण और री-एग्जाम शेड्यूल जारी नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा।

## 7. भर्ती घोटाले में बड़ा एक्शन: सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व

एक तरफ जहां सड़कों पर हंगामा जारी है, वहीं दूसरी तरफ भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही राज्य की आपराधिक जांच विभाग (CID) को बड़ी कामयाबी मिली है।

## एल. खियांगते की गिरफ्तारी और सीआईडी की जांच

झारखंड सीआईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते को भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और पद के दुरुपयोग के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है।

## पूर्व मुख्य सचिव का विवादित कार्यकाल

एल. खियांगते झारखंड के मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद फरवरी में JPSC के अध्यक्ष बनाए गए थे। विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने 22 जुलाई को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। सीआईडी की इस कार्रवाई को छात्रों के भारी दबाव का नतीजा माना जा रहा है।

## निष्कर्ष

झारखंड में JPSC और JSSC की भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं का मुद्दा अब बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच गया है। एक तरफ जहां छात्र 17 दिनों से अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल और सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सीआईडी की कार्रवाई से बड़े अधिकारियों की संलिप्तता भी उजागर हो रही है।

सरकार को चाहिए कि वह अभ्यर्थियों की मांगों पर सहानभूतिपूर्वक विचार करे और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करे ताकि लाखों युवाओं का भविष्य अंधकारमय होने से बच सके। भर्ती प्रक्रियाओं की लेटेस्ट स्टेटस और अपडेट्स (Latest Update 2026) के लिए आधिकारिक पोर्टल पर नजर बनाए रखें।

## आपके सवाल, हमारे जवाब

रांची में विधानसभा मार्च के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज और वॉटर कैनन का इस्तेमाल सोमवार, 10 अगस्त को किया गया।

छात्र JPSC और JSSC की 13 भर्ती परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं की जांच, धांधली वाली परीक्षाओं के निरस्तीकरण और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली लागू करने की मांग कर रहे हैं।

विधानसभा के 750 मीटर के दायरे में BNS की धारा 163 लागू की गई थी, साथ ही जगन्नाथपुर मंदिर के पास रेज़र फेंसिंग और मल्टी-लेयर बैरिकेड्स लगाए गए थे।

सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व मुख्य सचिव एल. खियांगते को परीक्षा अनियमितता मामले में गिरफ्तार किया है।

देवेंद्र नाथ महतो पिछले 9 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, जिससे उनका वजन लगभग 10.5 किग्रा कम हो गया है और वे एंबुलेंस से प्रदर्शन में शामिल हुए।

नहीं, 6वें दौर की बातचीत भी बेनतीजा रही क्योंकि सरकार केवल 3 परीक्षाएं रद्द करने पर सहमत हुई जबकि छात्र 13 परीक्षाओं को रद्द करने पर अड़े हैं।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) के डुमरी से विधायक जयराम कुमार महतो छात्रों के समर्थन में सामने आए हैं।

अभ्यर्थी JPSC और JSSC की आधिकारिक वेबसाइट्स jpsc.gov.in और jssc.nic.in पर जाकर लेटेस्ट नोटिफिकेशन, नोटिस PDF और स्टेटस चेक कर सकते हैं।

JPSC-JSSC रिफॉर्म्स मंच ने असामाजिक तत्वों की रोकथाम और मार्च को शांतिपूर्ण रखने के लिए लगभग 500 वालंटियर्स तैनात किए थे।